No. of Printed Pages : 6

MRDE-002

MASTER OF ARTS (RURAL DEVELOPMENT)

Term-End Examination

03462

December, 2018

MRDE-002 : VOLUNTARY ACTION IN RURAL DEVELOPMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt all the five questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. 1 and 2 should not exceed 800 words each.*

1. Discuss the processes that influence structure of voluntary organisations. *20*

OR

Describe the fund raising endeavours of voluntary organisations. *20*

2. Explain the important aspects of Max Weber's theory of Social Action. *20*

OR

Discuss the Gandhian approach to voluntarism in the context of rural development. *20*

3. Answer any *two* of the following questions in about 400 words each :

(a) Discuss in brief the sociological approaches to non-profit organisations. *10*

(b) Explain the activities and issues addressed by voluntary organisations in the area of rural development. *10*

(c) Describe the problems faced by voluntary organisations in rural areas. *10*

4. Write notes on any ***four*** of the following in about 200 words each :

(a) Fundamental Rights enshrined in the Constitution of India (1950) *5*

(b) Objective Base of Voluntary Associations in a Democratic Society *5*

(c) Basic Characteristics of Bureaucratic Administration *5*

(d) NGO-Typology based on Orientation *5*

(e) Charitable Companies *5*

(f) Strengths and Limitations of CBOs *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Magna Carta *4*

(b) Concept of Jal Biradari *4*

(c) Organisations Structured upon Charismatic Authority *4*

(d) POSDCORB *4*

(e) Key Defining Characteristics of VOs/NGOs *4*

(f) Trade Unions *4*

(g) CAPART *4*

(h) Forest Management Committee (FMC) *4*

एम.आर.डी.ई.-002

एम.ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2018

एम.आर.डी.ई.-002 : ग्राम विकास में स्वैच्छिक क्रिया

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न सं. 1 और 2 के उत्तर 800 शब्दों (प्रत्येक) से अधिक नहीं होने चाहिए ।*

1. स्वैच्छिक संगठनों की संरचना को प्रभावित करने वाली प्रक्रियाओं की विवेचना कीजिए । *20*

अथवा

स्वैच्छिक संगठनों के निधि संग्रह के प्रयासों का वर्णन कीजिए । *20*

2. मैक्स वेबर के सामाजिक क्रिया के सिद्धान्त के महत्त्वपूर्ण पहलुओं को स्पष्ट कीजिए । *20*

अथवा

ग्रामीण विकास के संदर्भ में स्वैच्छिकवाद के गाँधीवादी दृष्टिकोण की विवेचना कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) लाभ-निरपेक्ष संगठनों के समाजशास्त्रीय दृष्टिकोणों की संक्षेप में चर्चा कीजिए । *10*

(ख) ग्राम विकास के क्षेत्र में स्वैच्छिक संगठनों द्वारा संबोधित गतिविधियों और मुद्दों की व्याख्या कीजिए । *10*

(ग) ग्रामीण क्षेत्रों में स्वैच्छिक संगठनों के सामने आने वाली समस्याओं का वर्णन कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* पर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भारत के संविधान (1950) में उल्लिखित मौलिक अधिकार *5*

(ख) लोकतांत्रिक समाज में स्वैच्छिक संघों का वास्तविक आधार *5*

(ग) नौकरशाही प्रशासन की मूल विशेषताएँ *5*

(घ) एन.जी.ओ. का उन्मुखता पर आधारित वर्गीकरण *5*

(ङ) धर्मार्थ कम्पनियाँ *5*

(च) सी.बी.ओज़ की शक्तियाँ और सीमाबद्धताएँ *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) महाधिकार-पत्र (मैग्ना कार्टा) *4*

(ख) जल बिरादरी की अवधारणा *4*

(ग) करिश्माई सत्ता पर संरचित संगठन *4*

(घ) पोस्डकोर्ब (POSDCORB) *4*

(ङ) वी.ओज़/एन.जी.ओज़ की मुख्य पारिभाषिक विशेषताएँ *4*

(च) श्रमिक संघ *4*

(छ) कापार्ट *4*

(ज) वन प्रबंधन समिति (एफ.एम.सी.) *4*